



9

शिष्टाचार

लिखिए

1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

क. विनम्रता किसके प्रति होनी चाहिए?

✓ इन सभी के

ख. किसी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का सबसे आसान तरीका क्या है?

✓ धन्यवाद देना

2. उपयुक्त शब्द से वाक्य पूरे कीजिए—

क. हमारी वाणी और व्यवहार में “विनम्रता” होनी चाहिए।

ख. “महिलाओं” के प्रति हमारे व्यवहार में और भी विनम्रता होनी आवश्यक है।

ग. किसी का नाम लेने या लिखने से पहले “श्री”, “श्रीमती” या “कुमारी” लगाना अच्छी आदत है।

घ. “समय” का पालन करना सामाजिक नियमों का पालन है।

ङ. “राष्ट्रगान” के अवसर पर बैठे रहना या झूमना अशिष्ट व्यवहार है।

3. पाठांश पढ़कर पाँच प्रश्न बनाइए—

शिष्टता का तीसरा आधार 11 लाभ भी पहुँचाता है।

“प्र.1 शिष्टताका तीसरा आधार क्या है?”

“प्र.2 धार्मिक अनुशासन का पालन किसे कहा गया है?”

“प्र.3 सड़क पर बाईं ओर चलना कौन-से अनुशासन का पालन है?”

“प्र.4 सामाजिक नियमों का पालन क्या है?”

“प्र.5 कहीं ठीक समय पर पहुँचना हमें क्या सिखाता है?”

4. कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—

क. प्रदीप कैसे बोलता है?

उ. “प्रदीप बड़े ही मृदुल और शांत स्वर में बोलता है।”

ख. भुवन के किस व्यवहार से लोगों को हँसी आ जाती है?

उ. “भुवन दूर से ही चिल्लाता हुआ आता है। उसके इस व्यवहार से लोगों की हँसी आ जाती है।”

ग. किसी बड़े के बुलाने पर हमें क्या कहना चाहिए?

उ. “किसी बड़े के बुलाने पर हमें ‘जी हाँ’ या ‘जी नहीं’ कहना चाहिए।”

घ. राष्ट्रगान के अवसर पर क्या करना अशिष्ट व्यवहार कहलाता है?

उ. “राष्ट्रगान के अवसर पर बैठा रहना, चलना या झूमना अशिष्ट व्यवहार कहलाता है।”

5. कुछ वाक्यों में से उत्तर लिखिए—

क. शिष्टाचार के तीनों गुणों के बारे में विस्तार से बताइए।

उ. शिष्टाचार का पहला गुण विनम्रता है। यह वाणी के साथ-साथ व्यवहार में भी होनी चाहिए। दूसरों की निजी बातों में दखल न देना शिष्टाचार का दूसरा गुण है। अनुशासन का पालन करना शिष्टाचार का तीसरा गुण है। अनुशासन समाज के नैतिक नियम और कानून की धाराओं का होता है।

ख. प्रदीप और भुवन के बारे में अपने शब्दों में लिखिए।

उ. प्रदीप मीठे और शांत स्वर में बात करता है। उसका व्यवहार सबको अच्छा लगता है। प्रदीप के विपरीत भुवन चिल्लाकर बात करता है। उसके अशिष्ट व्यवहार के कारण कोई उसकी प्रशंसा नहीं करता।



- ग. कैसे व्यक्ति से कृपा प्राप्त करने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए?
- उ. यदि कोई व्यक्ति हमारी विनम्रता के कारण हमें कमजोर मानकर हमारे प्रति दया दिखा रहा है तो हमें ऐसे व्यक्ति से कृपा प्राप्त करने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए।
- घ. आप किस प्रकार के व्यवहार को शिष्ट और किस प्रकार के व्यवहार को अशिष्ट कहेंगे?
- उ. दूसरों से मीठे स्वर में बोलना और उन्हें सम्मान देना शिष्ट व्यवहार है। इसके विपरीत दूसरों का अपमान करना और प्रत्येक स्थान पर चिल्लाकर बोलना अशिष्ट व्यवहार है।

समझिए व्याकरण संबोध

1. इनके समानार्थक शब्द पाठ से चुनकर लिखिए—

तारीफ़	—	“प्रशंसा”	मीठा	—	“मृदुल”	हस्त	—	“हाथ”
किवाड़	—	“दरवाजा”	आयु	—	“उम्र”	उलटा	—	“विपरीत”
तनख्वाह	—	“वेतन”	कार्यालय	—	“दफ्तर”			

2. वाक्यों में आए रंगीन संज्ञा शब्दों के भेद लिखिए—

क. प्रदीप सभ्य है।	“व्यक्तिवाचक संज्ञा”
ख. वाणी में मिठास रहनी चाहिए।	“भाववाचक संज्ञा”
ग. वह महिलाओं के प्रति विनम्र है।	“जातिवाचक संज्ञा”
घ. वह सबका प्रसन्नता से स्वागत करता है।	“भाववाचक संज्ञा”

3. दिए गए शब्दों को सही स्थान पर रखिए—

व्यवहार, प्रदीप, मृदुल, विनम्रता, ड्रम, धार्मिक, कृपा, देर, कर्म, उम्र, कृतज्ञता, राष्ट्रगान, आभार, टुक, कार्य

—	र	—	—	—
“मृदुल”	“व्यवहार”	“प्रदीप”	“धार्मिक”	“ड्रम”
“कृपा”	“देर”	“विनम्रता”	“कर्म”	“राष्ट्रगान”
“कृतज्ञता”	“आभार”	“उम्र”	“कार्य”	“टुक”

4. इन शब्दों में से उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए—

शब्द	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
विनम्रता	— “वि”	“नम्र”	“ता”
अशिष्टता	— “अ”	“शिष्ट”	“ता”
अपमानित	— “अप”	“मान”	“इत”
अनुशासित	— “अनु”	“शासन”	“इत”